

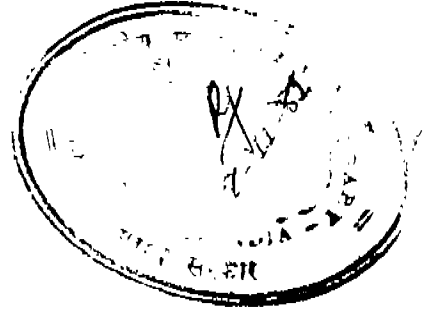


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 187]

नई दिल्ली, वीरवार, सितम्बर 24, 1981/अश्विन 2, 1903

No. 187]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 24, 1981/ASVINA 2, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 सितंबर, 1981

सं. एक 4(5)-इक्यू-एण्ड-एच/81 .—7.00 प्रतिशत ऋण, 1994, 7.50 प्रतिशत ऋण 2001 (दूसरा निर्गम) 8.00 प्रतिशत ऋण, 2011 (तीसरा निर्गम) के लिए 650 करोड़ रुपये की कुल राशि के लिए 12 अक्टूबर, 1981 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अधिवान नकदी के रूप में स्वीकार किये जाएंगे। परकाम्य लिखित अधिनियम, 1981 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 12 अक्टूबर 1981 को छूटी घोषित किये जाने पर अधिवान प्रगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित आदाता कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे। सरकार को 650 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक के अधिवानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अधिवान राशि 715 करोड़ रुपये से अधिक हो तो नकदी में अधिवान करने वालों को आनुपातिक आधार पर आंशिक आबंटन किया जाएगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अधिवान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार सौदागी गयी राशि पर कोई ब्याज भ्रवा नहीं किया जाएगा।

3. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 12 अक्टूबर 1994 को सममूल्य पर प्रतिदेय 7.00 प्रतिशत ऋण, 1994

- वापसी भ्रवायगी की तारीख—ऋण 12 अक्टूबर 1994 को सममूल्य पर वापस भ्रवा किया जाएगा।
- निर्गम मूल्य—प्रभावित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।
- ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 12 अक्टूबर, 1981 से वार्षिक 7.00 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 12 अप्रैल और 12 अक्टूबर को ब्याज भ्रवा किया जाएगा। इस प्रकार भ्रवा किये गये ब्याज पर नीचे दिये गये अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन भ्रवा कर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

4. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 21 जुलाई 2001 को सममूल्य पर प्रतिदेय 7.50 प्रतिशत ऋण, 2001 (दूसरा निर्गम)

- वापसी भ्रवायगी की तारीख—ऋण 21 जुलाई 2001 को सममूल्य पर वापस भ्रवा किया जाएगा।
- निर्गम मूल्य—प्रभावित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।

प्रति वचनपत्र रु०

का (के)†

वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु०

का (के)†

वचनपत्र

2. मैं/हम* चाहता हूँ/चाहते हैं* कि उनका ब्याज में भरा किया जाए

विशेष टिप्पणी : इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें प्रविष्टियां लोक ऋण कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

	आवश्यक	तारीख	
आवेदनपत्र सं०			हस्ताक्षर
"दस्तावेज तहसील" मुहर			पूरा (पूरे) नाम
नकदी प्राप्त होने की तारीख			पता
चेक वसूल होने की तारीख विशेष बाधू खाने में जमा करने की तारीख		
जॉन की गयी		
नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया		
वसूली रजिस्टर में दर्ज किया गया		
मांग पत्र सं०			तारीख अक्टूबर, 1981
प्रतिभूति सं०			
कांड सं०			
वाउचर पारित करने की तारीख			

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

रु० 100, रु० 200, रु० 500, रु० 1,000, रु० 5,000, रु० 10,000, रु० 25,000, रु० 50,000 और रु० 1,00,000 के मूल्य वर्गों में वचनपत्र जारी किये जाएंगे। जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका उल्लेख यहां किया जाए।

टिप्पणी : (1) प्रत्येक ऋण और अधिवान के प्रत्येक प्रकार तथा अपेक्षित नये ऋण की प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टाक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।

(2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर झूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साथी हों। सक्षमों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएं।

(3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो, संलग्न किये जाएं।

(i) निगम/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उनकी प्रतिलिपि।

(ii) कंपनी/निकाय के आपन पत्र और अंतर्नियम या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।

(iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्तियों के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।

(4) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें छाहरी ब्याज के प्रेषण के लिए (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) प्रवेश फार्म भी भरना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th September, 1981

No. F. 4(5)-W&M/81.—Subscriptions for the issue of 7.00 per cent. Loan, 1994, 7.50 per cent. Loan, 2001 (Second Issue) and 8.00 per cent. Loan, 2011 (Third Issue) for an aggregate amount of Rs. 650 crores will be received in the form of cash on the 12th October, 1981 upto the close of Banking hours. In the event of 12th October, 1981 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent. in excess of the sum of Rs. 650 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 715 crores, partial allotment will be made in respect of the loans on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

7. 7.00 percent. Loan, 1994 issued at Rs. 10.00 per cent. and redeemable at par on the 12th October, 1994.

(i) Date of Repayment.—The loan will be repaid at par on the 12th October, 1994.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7.00 per cent. per annum from 12th October, 1981. Interest will be paid half-yearly on the 12th April and 12th October. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 7.50 per cent. Loan, 2001 (Second Issue).—issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st July, 2001.

(i) Date of Repayment.—The loan will be repaid at par on the 21st July, 2001.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7.50 per cent. per annum from 12th October, 1981. Interest for the period 12th October, 1981 to 20th January, 1982 (inclusive) will be paid on 21st January, 1982 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 21st July and 21st January. The interest

(iii) ब्याज—इस ऋण पर ब्याज दर 12 अक्टूबर 1981 से वार्षिक 7.50 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही 12 अक्टूबर 1981 से 20 जनवरी 1982 (दोनों दिन मिलाकर) की अवधि के लिए ब्याज 21 जनवरी 1982 को अदा किया जाएगा और उसके बाद ब्याज प्रत्येक छमाही को 21 जुलाई और 21 जनवरी को अदा किया जाएगा। अदा किये गये ब्याज पर नीचे पैरा 8 और 9 में दिये गये उपबंधों के अधीन प्राय कर अधिनियम 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

5. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 27 अप्रैल 2011 को सममूल्य पर प्रतिदेय 8.00 प्रतिशत ऋण, 2011 (तीसरा निर्गम)

- (i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 27 अप्रैल 2011 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (ii) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (भांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।
- (iii) ब्याज—इस ऋण पर ब्याज दर 12 अक्टूबर 1981 से वार्षिक 8.00 प्रतिशत होगी। 12 अक्टूबर 1981 से 26 अक्टूबर 1981 (दोनों दिन मिलाकर) की अवधि के लिए ब्याज 27 अक्टूबर 1981 को अदा किया जाएगा और उसके बाद ब्याज प्रत्येक छमाही में 27 अप्रैल और 27 अक्टूबर को अदा किया जाएगा। अदा किये गये ब्याज पर नीचे पैरा 8 और 9 में दिये गये उपबंधों के अधीन प्राय कर अधिनियम 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

पूरक व्यवस्थाएं

6. आवेदन पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे—
 - (क) अहमदाबाद, बंगलूर, बंबई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली और पटना में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और
 - (ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में अन्य स्थानों पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

7. ब्याज अदा करने का स्थान इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, बंबई, कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली और पटना में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और काश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप राजकोष में ब्याज अदा किया जाएगा।

8. ब्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा विधार्जित वरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगा जो कर पात्र नहीं हैं या जिन पर ऐसी वरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जो धारक-कर-पात्र नहीं हैं या निर्धारित दर से कम दर पर कर-पात्र हैं वह जिनके आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होनेवाला न्यूनतर दर पर कर की कटौती कर उसे ब्याज अदा किया जाए।

9. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 3,000 रुपये का सीमा तक और प्राय कर अधिनियम, 1961 का धारा 80 ठ के अन्य उपबंधों के अधीन प्राय कर से छूट प्राप्त होगी।

10. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मुख्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मुख्य को भी 1,50,000 रुपये की सीमा तक सरसि कर से छूट प्राप्त होगी।

2. प्रतिभूतिया निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएंगी —

- (1) स्टॉक प्रमाणपत्र, या
- (2) वचनपत्र।

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करे तो उन्हें वचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतिया जारी की जाएंगी।

12. ऋणों के लिए आवेदनपत्र-ऋणों के लिए आवेदनपत्र रु० 100 या उसके गुणजों में होने चाहिए।

13. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे फार्म में होने चाहिए जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता हो।

14. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम प्राकृतिक किये जाने चाहिए।

15. स्वीकृत बैंकों और दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनके मुहयुक्त ऋण-आवेदनपत्रों पर किये गये भावदलों पर प्रति रु० 100.00 (सांकेतिक) 8 पैसे की दर पर दलाली अदा की जाएगी।

दलाली की अदायगी के लिए ऋण जारी किये जाने की तारीख से छः महीने के भीतर अदायगी कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से,
प्रखिलेश चन्द्र तिवारी, संयुक्त सचिव

आवेदनपत्र का फार्म

मैं/हम* इसके साथ रु०
(पूरा/पूरे नाम)

..... रुपये के लिए चेक प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें* नीचे उल्लिखित मूल्य वर्ग/मूल्य वर्गों में वचनपत्र (पत्रों) + के रूप में के सांकेतिक मूल्य के 7.00 प्रतिशत ऋण,

स्टॉक प्रमाणपत्र

1994/7.50 प्रतिशत ऋण, 2001 (दूसरा निर्गम)* 8.0 प्रतिशत ऋण, 2011 (तीसरा निर्गम)* की प्रतिभूतिया जारी की जाएं:—

प्रति वचनपत्र रु० का (के) + वचनपत्र

paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 8.00 per cent. Loan, 2011 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 27th April, 2011.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 27th April, 2011.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The loan will bear interest at the rate of 8.00 per cent. per annum from 12th October, 1981. Interest for the period 12th October, 1981 to 26th October, 1981 (inclusive) will be paid on 27th October, 1981 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 27th April and 27th October. The Interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

6. Applications will be received at—

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna; and
- (b) Branches of the State Bank of India at all places in India except at (a) above.

7. Place of payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim.

8. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate can obtain on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district,

authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

9. Interest on the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 3.00 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

10. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the Wealth-tax upto Rs. 1,50,000.

11. The securities will be issued in the form of—

- (i) Stock Certificates, or
- (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

12. Applications for the Loans.—Applications for the loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

13. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

14. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

15. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the paying offices within six months from the date of floatation of the loans.

By order of the President,

A. C. TIWARI, Jt. Secy.

FORM OF APPLICATION

I/We

[Full Name(s) in Block Letters]

.....(Rupees.....)

.....herewith tender *Cash/cheque for Rs.....

and request that securities of 7.00 per cent Loan, 1994*/7.50 per cent. Loan, 2001 (Second Issue)*/ 8.00 per cent. Loan, 2011 (Third Issue)* of the nominal value of Rs..... may be issued to me/us*in the form of *Promissory Note(s)/Stock Certificate* in the denominations Stated below :

.....Promissory Note(s)*for Rs.....each

.....Promissory Note(s)*for Rs.....each

.....Promissory Note(s)*for Rs.....each

2. I/We* desire that interest be paid at

N.B.—The applicant should not write anything in this cage. The entries will be filled in by the Public Debt Office.

	Initials	Date
Application No.
N.B. Stamp.
Cash received on
Cheque realised on
Credited to Special Current Account on
Examined
Cash Applications Register posted
Brokerage Register posted
Indent No.
Scrip No.
Card No.
Voucher passed on

Signature(s)

Name(s) in full

(Block Letters)

Address

Date the of

October 1981

*Delete what is not required.

†Promissory notes will be issued in denominations of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

Notes:— (1) Separate applications should be made for each loan and each form of scrip (Stock Certificate or promissory Note) of the New Loan required.

(2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:—

- (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
- (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/By-Laws of the company/body.
- (iii) Certified copy of resolution in favour of the persons authorised to deal in Government securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.

